रेणुकामाता नवास्तोत्रम

१	क्षमस्तत्वं क्षमस्तत्वं क्षेम धैर्य मूर्तिमां देहिये तव पाद धूळि रेणुकामाई पाहिमां	६	नाग शक्ति संयुते नाद शक्ति संहिते प्रणव रूपी मूर्तिमां वेदकारा रूपितां **... क्षम**
२	पाहिमां, पाहिमां तवा पुत्रा देहिमां धन्यमां धन्यमां तव पाद सेविक माहिमां **... क्षम**	७	त्वमः त्रिपुरा त्वमः ललितां त्वमः शक्तिं त्वमः भक्तिं त्वमः मित्रां त्वमः प्रियतम तारुणी देवतां - सर्व शक्ति रूपितां **... क्षम**
३	नाग शक्ति नाग मित्रा नाग लोका वासिनां ऐकवीरा ऐक शक्ति नवा शक्ति पीठीकां **... क्षम**	८	महालक्ष्मिं, महाशक्तिं महा दुर्गा रूपितां - गाऽयत्रि, साऽवित्री सदय देवी तूहिमां काल रूपा रूपितां **... क्षम**
४	लोकमाता वेदमाता सर्व देवत शक्तिमां सर्व पूजित पूजितां रेणुकामाई पाहिमां **... क्षम**	९	पूजितां देवि पूजितां शक्ति, भक्ति, मुक्ति जीवनं पुत्र, पौत्र क्षेम धैर्य, प्रेम तीर्थव प्रसादितं **... क्षम**
५	दत्तात्रेया मातमां परशुरामा शक्तिमां ब्रह्मदेविक वेददाता महा शक्ति रेणुकां **... क्षम**		**देहिये तव पाद धूळि** **रेणुकामाई पाहिमां (३)**

श्री साईनाथ महाराज की जय।